www.sgbauonline.com

AU–1994

B.A. (Part—III) Examination

(Optional Subject)

PHILOSOPHY

(B) Epistemology and Metaphysics

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

N.B. :— (1) All questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

SECTION—A

(Indian)

1. Choose proper options :— 10×2=20

(1) Mimansa darshan suggested the Pramanyavada :

(a) Paratah Pramanyavada (b) Swath Pramanyavada

(c) Both (d) None of the above

(2) Charvak propounds :

(a) Inference (b) Authority

(c) Upamana (d) Pratyakshya

(3) The ground of human knowledge is :

(a) Shabda (b) Upamana

(c) Pratyakshya (d) Anamana

(4) Anupalabdhi is Praman according to :

(a) Nyaya darshan (b) Mimanas darshan

(c) Charvak darshan (d) None of the above

(5) Inference means known cause to the unknown event :

(a) Sheshavat (b) Purvavat

(c) Samanyato drishya (d) None of the above

(6) Vyapti is :

(a) Conditional (b) Unconditional

(c) Samanya relation (d) Vishesh relation

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(7) In which inference scope is established by both positive and negative examples ?

(a) Kewalanwayeee (b) Kewal vyatireki

(c) Anwaya vyatireki (d) Purvavat

(8) When inference is related to the other self it is called ________ .

(a) Swarth Anuman (b) Pararth Anuman

(c) Purvavat Anuman (d) Sheshvat Anuman

(9) In Upmana the knowledge of sadnya-sadnyee relation depends upon :

(a) Sadrushya Dnyan (b) Yogaj Dnyan

(c) Samanya Dnyan (d) None of the above

(10) Prama is :

(a) Valid knowledge (b) Invalid knowledge

(c) Mental knowledge (d) None of the above

2. Give full account of the relation that subsists between the 'Purush and Prakruti' of Samkhya. 20

OR

Explain Charvaka's 'Materialism' fully. 20

SECTION—B

(Western)

3. Write briefly :—

(a) One of the sources of Knowledge is 'Reason'. 10

(b) One of the sources of Knowledge is 'Sense experience'. 10

OR

(c) Nature of 'Rationalism'. 10

(d) Nature of 'Empiricism'. 10

4. (a) Write briefly :—

(i) Pragmatic theory of truth 10

(ii) Coherence theory of truth. 10

OR

(b) Distinguish between following concepts :—

(i) Apriori and Aposteriori 10

(ii) Analytic and Synthetic. 10

5. Give an account of 'Causality' as a Metaphysical concept. 20

OR

Explain that the 'Idealism' is a major Metaphysical School. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–1994

B.A. (Part—III) Examination

(Optional Subject)

PHILOSOPHY

(B) Epistemology and Metaphysics

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

विभाग—अ

(भारतीय)

1. योग्य पर्याय निवडा :— 10×2=20

(1) प्रामाण्यवादासंबंधी मीमांसा दर्शन समर्थन करते :

(अ) परतः प्रामाण्यवाद (ब) स्वतः प्रामाण्यवाद

(क) दोन्हीं (ड) वरीलपैकी कोणीही नाही

(2) चार्वाक समर्थन करतात :

(अ) अनुमान (ब) आप्तवचन

(क) उपमान (ड) प्रत्यक्ष

(3) सर्व मानवी ज्ञानाचा आधार आहे :

(अ) शब्द (ब) उपमान

(क) प्रत्यक्ष (ड) अनुमान

(4) अनुपलब्धी प्रमाण मानलेले आहे.

(अ) न्याय दर्शनाने (ब) मीमांसा दर्शनाने

(क) चार्वाक दर्शनाने (ड) वरीलपैकी कोणीही नाही

(5) ज्ञात कारणापासून अज्ञात कार्याच्या अनुमानाला म्हणतात :

(अ) शेषवत (ब) पूर्ववत

(क) सामान्यतो दृश्य (ड) वरीलपैकी कोणीही नाही

(6) व्याप्ती आहे :

(अ) औपाधिक संबंध (ब) अनौपाधिक संबंध

(क) सामान्य संबंध (ड) विशेष संबंध

(7) जेव्हा भावात्मक आणि अभावात्मक दोन्हीं उदाहरणांद्वारे व्याप्ती स्थापन होते, तेव्हा त्या अनुमानाला म्हणतात :

(अ) केवलान्वयी (ब) केवल व्यतिरेकी

(क) अन्वय व्यतिरेकी (ड) पूर्ववत

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(8) जेव्हा अनुमान दुसऱ्याकरिता केले जाते तेव्हा त्याला म्हणतात :
(अ) स्वार्थानुमान (ब) परार्थ अनुमान
(क) पूर्ववत अनुमान (ड) शेषवत अनुमान

(9) उपमानामध्ये 'संज्ञा-संज्ञी' संबंधाचे ज्ञान होते तेव्हा त्याचा आधार असतो
(अ) सादृश्य ज्ञान (ब) योगज ज्ञान
(क) सामान्य ज्ञान (ड) वरीलपैकी कोणीही नाही

(10) प्रमा आहे :
(अ) यथार्थ ज्ञान (ब) अयथार्थ ज्ञान
(क) मानसिक ज्ञान (ड) वरीलपैकी कोणीही नाही

2. सांख्यांच्या पुरुष आणि प्रकृतीमधील असलेल्या संबंधाचे विस्तृत विवेचन करा 20

किंवा

चार्वाकांच्या 'भौतिकवादाचे' विस्ताराने विवेचन करा 20

विभाग—ब

(पाश्चात्य)

3. थोडक्यात लिहा :—
(अ) 'तर्कबुद्धी' ही एक ज्ञानाचा स्रोत आहे 10
(ब) 'इंद्रियानुभव' हे एक ज्ञानाचा स्रोत आहे. 10

किंवा

(क) बुद्धीवादाचे स्वरूप. 10
(ड) अनुभववादाचे स्वरूप. 10

4. (अ) थोडक्यात लिहा :—
(i) सत्याचा फलप्रमाण्यवाद सिद्धांत 10
(ii) सत्याचा तर्कसंगत सिद्धांत. 10

किंवा

(ब) खालील संकल्पनामधील भेद स्पष्ट करा :—
(i) अनुभवपूर्व आणि अनुभवाधिष्ठित 10
(ii) विश्लेषक आणि संश्लेषक. 10

5. 'कारणतावाद' या अध्यात्मशास्त्रीय संकल्पनेला स्पष्ट करा. 20

किंवा

'कल्पनावाद' हा अध्यात्मशास्त्रीय मुख्य प्रवाह आहे स्पष्ट करा. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–1994

B.A. (Part—III) Examination

(Optional Subject)

PHILOSOPHY

(B) Epistemology and Metaphysics

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) सभी प्रश्नों के समान अंक है।

विभाग—अ

(भारतीय)

1. उचित पर्याय चुनिए :— 10×2=20

(1) प्रामाण्यवाद के संबंध में मीमांसा दर्शन समर्थन करता है :

(अ) परतः प्रामाण्यवाद (ब) स्वतः प्रामाण्यवाद

(क) दोनों का (ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(2) चार्वाक समर्थन करते हैं :

(अ) अनुमान (ब) आप्तवचन

(क) उपमान (ड) प्रत्यक्ष

(3) सभी मानव ज्ञान का आधार है :

(अ) शब्द (ब) उपमान

(क) प्रत्यक्ष (ड) अनुमान

(4) अनुपलब्धि प्रमाण मानते हैं :

(अ) न्याय दर्शन (ब) मीमांसा दर्शन

(क) चार्वाक दर्शन (ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(5) ज्ञात कारण से अज्ञात कार्य का अनुमान है :

(अ) शेषवत् (ब) पूर्ववत्

(क) सामान्यतो दृश्य (ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(6) व्याप्ति है :

(अ) औपाधिक संबंध (ब) अनौपाधिक संबंध

(क) सामान्य संबंध (ड) विशेष संबंध

(7) जब भावात्मक एवं निषेधात्मक दोनों ही उदाहरणों से व्याप्ति स्थापित होती है, तब वह अनुमान होता है :

(अ) केवलान्वयी (ब) केवल व्यतिरेक

(क) अन्वय व्यतिरेक (ड) पूर्ववत्

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(8) जब अनुमान दूसरे के लिए किया जाता है तो उसे कहते हैं :

(अ) स्वार्थ अनुमान | (ब) परार्थ अनुमान
(क) पूर्ववत् अनुमान | (ड) शेषवत् अनुमान

(9) उपमान से 'संज्ञा-संज्ञी' संबंध का ज्ञान होता है तब उसका आधार होता है :

(अ) सादृश्य ज्ञान | (ब) योगज ज्ञान
(क) सामान्य ज्ञान | (ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

(10) प्रमा है :

(अ) यथार्थ ज्ञान | (ब) अयथार्थ ज्ञान
(क) मानसिक ज्ञान | (ड) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. सांख्य के अनुसार पुरुष और प्रकृति का संबंध विस्तार से विवेचन कीजिए। 20

अथवा

चार्वाक के 'भौतिकवाद' का विस्तार से विवेचन करें. 20

विभाग—ब

(पाश्चात्य)

3. संक्षेप में लिखिए :—

(अ) 'तर्कबुद्धि' यह एक ज्ञान का स्रोत है। 10

(ब) 'इंद्रिय अनुभव' यह एक ज्ञान का स्रोत है। 10

अथवा

(क) बुद्धिवाद का स्वरूप। 10

(ड) अनुभववाद का स्वरूप। 10

4. (अ) संक्षेप में लिखिए :—

(i) फलप्रामाण्य सिद्धांत 10

(ii) सुसंगत सिद्धांत। 10

अथवा

(ब) निम्नांकित संकल्पना में भेद स्पष्ट कीजिए :—

(i) अनुभवपूर्व और अनुभवाधिष्ठित 10

(ii) विश्लेषक और संश्लेषक 10

5. 'कारणतावाद' अध्यात्मशास्त्रीय संकल्पना स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'प्रत्ययवाद' यह अध्यात्मशास्त्रीय का मुख्य प्रवाह है। स्पष्ट कीजिए। 20

www.sgbauonline.com